मेट्रो-3 में वाईफाई सुविधा

अंडरग्राउंड मेट्रो में भी निर्बाध मोबाइल और इंटरनेट सेवा

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एमएमआरसी) की ओर से मेट्रो लाइन 3 के लिए टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने हेतु इन-बिल्डिंग सॉल्यूशंस के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है. यह कॉन्ट्रैक्ट सऊदी अरब के रियाद में स्थित ऐसेस की सहायक कंपनी ऐसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दिया है. यह कॉन्ट्रैक्ट टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से दिया गया है. इससे यात्रियों को अब एक्वा लाइन रूट पर यात्रा के दौरान निर्बाध मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं मिलेंगी. बता दें कि इससे पहले, ऐसेस इंडिया बेंगलुरु हवाई अड्डे और सूरत डायमंड बोर्स में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं प्रदान करता था. इस लेनदेन से अगले 9 वर्षों में एमएम आरसी लिमिटेड को राजस्व प्राप्त होगा, इसलिए प्रति स्टेशन प्राप्त लाइसेंस शुल्क भारत में किसी भी

अन्य मेट्रो लाइन से लगभग 2.5 गुना है. चूंकि मुंबई मेट्रो 3 मार्ग पूरी तरह से भूमिगत है, इसलिए स्टेशन का कॉनकोर्स लेवल जमीन से 10.14 मीटर नीचे है और प्लेटफॉर्म जमीन से 18-20 मीटर नीचे है, इसलिए मेट्रो में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं प्रदान करना इस प्रोजेक्ट में एक महत्वपूर्ण चुनौती है. यात्रा के दौरान यात्रियों को निर्बाध मोबाइल और इंटरनेट सेवा सुनिश्चित करने के लिए एमएमआरसी ने जियो, वोडाफोन, एयरटेल और एमटीएनएल जैसे मोबाइल सेवा प्रदाताओं से सेलुलर कवरेज प्रदान करने की योजना बनाई है. इसे इन-बिल्डिंग सलूशन के माध्यम से सबवे स्टेशनों और टनल में अँटेना और रिपीटर्स स्थापित करके हासिल किया जाएगा.

मेट्रो-3 रूट के माध्यम से नॉन फेयर बॉक्स राजस्व सबसे अधिक होगा. इन-बिल्डिंग सलूशन के माध्यम से यात्रियों को निर्बाध मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी का मजा मिल सकता है.

- अश्विनी भिड़े, प्रबंध निदेशक एमएमआरसी

इन-बिल्डिंग सॉल्यूशन के देश में अब तक का सबसे अधिक वार्षिक प्रीमियम हासिल करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है. उनका मानना है कि यह प्रयास मेट्रो लाइन-3 परिचालन में महत्वपूर्ण रूप से सहायता प्रदान करेगा और समग्र यात्री अनुभव को बढ़ाएगा.

- आर. रमणा, निदेशक (एनएफबीआर) एमएमआरसी